

मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर भी उठे गंभीर सवाल

जिंदगी देने वाला वार्मर बना मौत का खतरा, तीन मासूम झुलसे



हरिभूमि न्यूज ►► छिन्दवाड़ा

जिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (NICU) में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे वार्मर मशीन में लगी आग ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। जीवन बचाने के लिए लगाए गए वार्मर से निकली आग ने तीन नवजातों को झुलसा दिया। हादसे के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आनन-फानन में बच्चों को सुरक्षित करने की कवायद शुरू हुई।

यह हादसा केवल एक मशीन में तकनीकी खराबी का मामला मानकर खत्म कर देना आसान होगा, लेकिन असली सवाल इससे कहीं बड़ा है। आखिर नवजातों की जान बचाने वाली मशीनों की नियमित जांच और मंटेनेंस व्यवस्था कैसी है? यदि वार्मर की हीटिंग यूनिट में स्पाकिंग हुई, तो इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं हुई? क्या मशीनों की समय-समय पर तकनीकी जांच की जाती है? और यदि की जाती है तो फिर ऐसी घटना कैसे हो गई?

जीवन देने वाला वार्मर बना खतरे का कारण

जन्म के बाद नवजात शिशुओं के शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए वार्मर का इस्तेमाल किया जाता है। खासकर कमजोर और गंभीर स्थिति वाले नवजातों के लिए यह मशीन बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में वार्मर में आग लगना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जानकारी के मुताबिक वार्मर की हीटिंग यूनिट में

स्पाकिंग के बाद आग भड़की। आग की चपेट में आने से तीन नवजात झुलस गए। हादसे के बाद सवाल यह भी है कि वार्मर की स्थिति क्या थी और उसका रखरखाव कब किया गया था। क्या अस्पताल प्रबंधन के पास सभी वार्मरों के मंटेनेंस का रिकॉर्ड मौजूद है? क्या किसी अधिकृत तकनीकी एजेंसी से इन मशीनों की नियमित सर्विसिंग कराई जाती है?यदि इन सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं तो यह महज तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि व्यवस्था की गंभीर चूक का मामला माना जाना चाहिए।

करोड़ों की स्वास्थ्य व्यवस्था में तीन मासूम क्यों असुरक्षित?

छिंदवाड़ा में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर शासन का बड़ा बजट खर्च होता है। अत्याधुनिक मशीनें, उपकरण, भवन, डॉक्टर और स्वास्थ्य सेवाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन NICU में वार्मर से आग लगने की घटना ने इन दावों की हकीकत पर सवाल खड़ा कर दिया है। सवाल यह नहीं है कि मशीन खराब हुई। सवाल यह है कि क्या अस्पताल प्रबंधन ने मशीन खराब होने से पहले उसे पहचानने की व्यवस्था की थी?नवजात बच्चों को ऐसी मशीनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसलिए इन उपकरणों की मामूली खराबी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके बावजूद यदि मशीनों की नियमित जांच में लापरवाही हुई है तो जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

मेडिकल कॉलेज पर भी उठे सवाल

हादसे के बाद गंभीर रूप से झुलसे बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है।यहां छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।यदि किसी गंभीर रूप से झुलसे नवजात को तत्काल शिशु शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ की जरूरत पड़ती है और स्थानीय स्तर पर ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ चिकित्सा व्यवस्था कितनी सक्षम है।मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य केवल भवन, विभाग और बोर्ड तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका असली मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि गंभीर मरीजों को कितनी विशेषज्ञ सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।हर गंभीर मरीज को जबलपुर रेफर करना पड़े तो फिर स्थानीय मेडिकल कॉलेज की उपयोगिता और क्षमता पर सवाल उठेंगे ही। खासकर नवजात और बच्चों के मामले में विशेषज्ञ सेवाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं।

रात के हादसे ने खोली सुरक्षा व्यवस्था की पोल

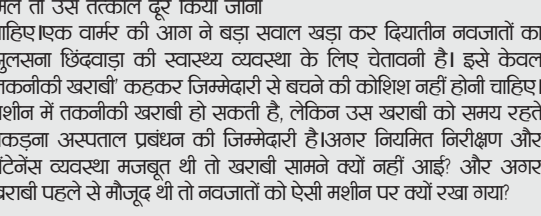
NICU जैसी संवेदनशील जगह पर अतिम सुरक्षा व्यवस्था सबसे मजबूत होनी चाहिए। वार्मर, ऑक्सीजन, मॉनिटर और अन्य विद्युत उपकरण लगातार चलते रहते हैं।

ऐसे में आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण, प्रशिक्षित कर्मचारी और आपातकालीन प्रोटोकॉल होना जरूरी है।अब जांच का एक अहम हिस्सा यह भी होना चाहिए कि आग लगने के बाद कितनी देर में स्थिति को नियंत्रित किया गया? क्या NICU में पर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध थे? क्या स्टाफ को आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया था? क्या सभी विद्युत उपकरणों की वार्यरिंग और अर्थिंग की नियमित जांच होती है?इन सवालों का जवाब जांच रिपोर्ट में सार्वजनिक होना चाहिए।

जिला प्रशासन की जवाबदेही भी तय हो

इस घटना के बाद जिला प्रशासन को भी सक्रिय होकर पूरे मामले की निगरानी करनी चाहिए। केवल अस्पताल प्रबंधन से रिपोर्ट मांगना पर्याप्त नहीं होगा।

जिला स्तर पर सभी संवेदनशील मेडिकल उपकरणों का सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। NICU, SNCU, ऑपरेशन थिएटर, ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू और अन्य महत्वपूर्ण वार्डों में लगे विद्युत उपकरणों की तत्काल जांच कराई जानी चाहिए। यदि कहीं भी खराबी या सुरक्षा संबंधी कमी मिले तो उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए।एक वार्मर की आग ने बड़ा सवाल खड़ा कर दियातीन नवजातों का झुलसना छिंदवाड़ा की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चेतावनी है। इसे केवल तकनीकी खराबी का कारण जिम्मेदारी से बचने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। मशीन में तकनीकी खराबी हो सकती है, लेकिन उस खराबी को समय रहते पकड़ना अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी है।अगर नियमित निरीक्षण और मंटेनेंस व्यवस्था मजबूत थी तो खराबी सामने क्यों नहीं आई? और अगर खराबी पहले से मौजूद थी तो नवजातों को ऐसी मशीन पर क्यों रखा गया?



इन सवालों के जवाब जरूरी हैं

छिंदवाड़ा में मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल को लेकर सरकार बड़े दावे करती रही है। ऐसे में अब जगता यह जानना चाहती है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद नवजातों की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक क्यों हुई। यह घटना केवल तीन नवजातों के झुलसने की घटना नहीं है, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए आह्वान है। अब जरूरत जांच की खानापूर्ति की नहीं, बल्कि जिम्मेदारी तय करने की है। वार्मर में लगी आग ने सिर्फ तीन मासूमों को नहीं झुलसाया, उसने स्वास्थ्य विभाग की उस व्यवस्था को भी सवालों के घेरे में ला दिया है, जिसमें मरीजों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन को तत्काल उच्चस्तरीय जांच करारकर रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए और यदि किसी अधिकारी, कर्मचारी या मंटेनेंस एजेंसी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ निगमनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। तभी यह संदेश जाएगा कि अस्पताल में किसी मासूम की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जांच सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे

ऐसी घटनाओं के बाद अवसर जांच समिति गठित कर दी जाती है। कुछ अधिकारियों से जवाब मांगे जाते हैं और कुछ दिनों बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।जांच केवल इस बात तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि वार्मर में आग कैसे लगी। जांच में यह भी देखा जाना चाहिए कि मशीन की खरीद कब हुई, किस कंपनी की थी, उसकी वारंटी और सर्विस की स्थिति क्या थी, अंतिम मंटेनेंस कब हुआ, किस एजेंसी ने सर्विस की, सर्विस रिपोर्ट में क्या दवांय था और घटना के समय मशीन के संचालन की जिम्मेदारी किसकी थी।यदि मंटेनेंस में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

परिजनों के सवालों का जवाब कौन देगा?

जिन परिवारों के नवजात इस हादसे में झुलसे हैं, उनके लिए यह घटना किसी सरकारो फाइल का विषय नहीं है। उनके लिए यह उनके बच्चे की जिंदगी का सवाल है।परिजनों को स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि बच्चों की हालत कैसी है, उन्हें किस प्रकार की चोट आई है, उपचार कहां किया जा रहा है और आगे की चिकित्सा व्यवस्था क्या होगी। यदि बच्चों को दूसरे अस्पताल रेफर किया गया है तो उनके उपचार और परिवहन की पूरी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को सुनिश्चित करनी चाहिए।

बच्ची के दुखद निधन पर सांसद बंटी विवेक साहू ने जताया दुख

जिला अस्पताल के एसएनसीयू में वॉर्मर में अचानक ही स्पाक होने के बाद आग पकड़ने से तीन बच्चे झुलस गए थे। जिन्हें तत्काल ही प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इस तीन बच्चों में से पूर्व से ही गंभीर रूप से बीमार खाणबिहारी चंद निवासी शिवानी पति आदित्य वर्मा की बच्ची का दुखद निधन हो गया है। उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने तत्काल ही मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र प्रेषित करते हुए उक्त घटना की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाही करने के लिए पत्र लिखा है। बच्ची के दुखद निधन पर सांसद बंटी विवेक साहू ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना काफी दुःखद है। इस दुःख की घड़ी में माजपा सरकार पीड़ित परिवारों के साथ हैं। अन्य दो बच्चों के इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्हें बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ, चिकित्सकों एवं प्रशासन द्वारा घटना के बाद तत्काल ही सतर्कता बरतते हुए तीनों बच्चों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि एसएनसीयू में भर्ती अन्य मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कराते हुए उन्हें बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सांसद बंटी विवेक साहू ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि व दिवंगत बच्ची को अपने श्री चरणों में स्थान देते हुए उसे मोक्ष प्रदान करें और इस दुःख की घड़ी को सहन करने की परिवारजनों को शक्ति दें।

कमलनाथ व नकुलनाथ ने जिला अस्पताल की घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया

मप के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने छिन्दवाड़ा जिला अस्पताल के एनआईसीयू वार्ड में घटित हृदय विदारक घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना पर गहन दुःख व्यक्त करते हुए आग से झुलसने के उपरांत इलाजरत नवजात बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की साथ ही दिवंगत नवजात की श्रीचरणों में स्थान देने ईश्वर से प्रार्थना की। कमलनाथ ने अपने शोक संदेश में कहा कि नवजात बच्चों का आग में झुलसने की घटना बेहद लापरवाही भरी है।

आग से झुलसने के कारण एक नवजात का दिवंगत होना हृदय विदारक है। ईश्वर इलाजरत बच्चों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें साथ ही यह असीम दुःख सहन करने की क्षमता परिवारजनों को दें। दिवंगत नवजात बच्चे की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान व परिवार को दुःख सहन करने की क्षमता परमपिता प्रदान करें। नकुलनाथ ने अपने शोक संदेश में घटना पर गहन दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। नवजात बच्चों का आग से झुलसना घोर लापरवाही का प्रमाण है। इलाजरत मासूमों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, दिवंगत नवजात की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने और यह दुःख सहन करने की क्षमता परिवारजनों को प्रदान करने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोकाकुल परिवार के साथ कांग्रेस परिवार का सदस्य खड़ा है, इसीलिये व अपने आपको अकेला ना समझें।

एसडीएम के स्थगन आदेश के बाद भी निर्माण जारी!

जमीन बचाने दफ्तरों के चक्कर काट रही सुनीता, सुखारी कला में ढाई फीट रास्ते पर कब्जे का आरोप

हरिभूमि न्यूज ►► अमरवाड़ा

तहसील क्षेत्र के ग्राम सुखारी कला में जमीन और रास्ते को लेकर चल रहा विवाद अब प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। गांव की निवासी सुनीता मानक लाल वर्मा का आरोप है कि उनके प्लॉट के बगल में आवागमन और पशुओं के आने-जाने के लिए छोड़ी गई क़रीब ढाई फीट जगह पर पड़ोसी विनोद महेश वर्मा ने कथित रूप से कब्जा कर दीवार का निर्माण शुरू कर दिया है।

सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर शिकायतें होने और एसडीएम कार्यालय से स्थगन आदेश जारी होने के बावजूद निर्माण कार्य जारी है। आवेदिका का कहना है कि उन्होंने अपनी जमीन और रास्ते को बचाने के लिए पहले आपसी स्तर पर समाधान का प्रयास किया, लेकिन जब बात नहीं बनी तो पटवारी, पुलिस, तहसीलदार और एसडीएम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

उनका कहना है कि हर स्तर पर अपनी समस्या बताने के बाद भी उन्हें अब तक अपेक्षित राहत नहीं मिली है।स्थगन आदेश के बाद भी कैसे चल रहा निर्माण?पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि विवादित निर्माण को लेकर एसडीएम कार्यालय से स्थगन आदेश दिया गया था, तो उसके बाद निर्माण कार्य कैसे जारी रहा? आवेदिका के अनुसार संबंधित व्यक्ति द्वारा आदेश के बावजूद निर्माण नहीं रोक़ा गया और मकान का काम लगातार आगे बढ़ता रहा। ऐसे में प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

यदि किसी निर्माण को रोकने का आदेश दिया जाता है तो उसकी मौके पर पालना सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है। लेकिन यहां शिकायतकर्ता का आरोप है कि आदेश कागजों तक

दफ्तरों के चक्कर काट रही महिला

सुनीता वर्मा का कहना है कि वह लगातार तहसील, एसडीएम कार्यालय और पुलिस के चक्कर लगा रही हैं। उनका कहना है कि वह विवाद को बढ़ाना नहीं चाहती और न ही काबू अपने हाथ में लेना चाहती हैं। वह केवल अपनी जमीन और रास्ते पर अपना अधिकार चाहती हैं। उनका कहना है कि एक आम नागरिक जब अपनी समस्या लेकर सरकारी संस्थाओं के पास जाता है तो उसे उम्मीद होती है कि अधिकारी निष्पक्ष तरीके से उसकी समस्या का समाधान करेंगे। लेकिन यदि शिकायत के बाद भी कथित रूप से निर्माण जारी रहे तो आम आदमी के सामने निराशा के अलावा क्या बचता है, यह बड़ा सवाल है।

अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल

आवेदिका ने पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच की मांग भी की है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासन मौके पर पहुंचकर निर्माण रुकवा देता तो विवाद आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने यह भी मांग की है कि यदि स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण हुआ है तो यह पता लगाया जाए कि आदेश का पालन क्यों नहीं कराया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

न्याय की उम्मीद में आम आदमी कहां जाएं

सुनीता वर्मा ने शासन-प्रशासन से अपील की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्थल निरीक्षण कराया जाए। जमीन का सीमांकन कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए और यदि किसी प्रकार का अवैध कब्जा या स्थगन आदेश का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है। फिलहाल सुखारी कला का यह विवाद एक बड़ा सवाल खोड़ रहा है जब प्रशासनिक आदेश के बाद भी निर्माण नहीं रुकता, तो आम आदमी अपने अधिकार और जमीन की रक्षा के लिए आखिर कहाँ जाए?

सीमित रह गया और मौके पर निर्माण जारी रहा।

पुलिस की 151 की कार्रवाई भी नहीं आई कामसुनीता वर्मा ने पुलिस से भी शिकायत की। शिकायत के बाद अनावेदक के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई किए जाने की बात सामने आई है। बावजूद इसके आवेदिका का आरोप है कि इस कार्रवाई का निर्माण पर कोई असर नहीं हुआ और मकान का काम नहीं रुका।

यही वजह है कि अब शिकायतकर्ता प्रशासन से पूछ रही हैं कि जब पुलिस कार्रवाई और प्रशासनिक आदेश के बाद भी निर्माण जारी रह सकता है, तो आम आदमी अपने अधिकारों की रक्षा के

लिए आखिर किसके पास जाए?ढाई फीट जगह को लेकर विवादसुनीता वर्मा के मुताबिक उनके मकान के बगल में छोड़ी गई जगह का इस्तेमाल उनके परिवार के आवागमन के साथ-साथ पशुओं के आने-जाने और निस्तार के लिए किया जाता रहा है। उनका आरोप है कि इसी जगह पर दीवार खड़ी कर रास्ते को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है।

आवेदिका की मांग है कि राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर विवादित स्थल का सीमांकन कराया जाए और मौके की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। यदि जांच में अतिरक्रमण पाया जाता है तो उसे हटाकर रास्ता बहाल किया जाए।

हरिभूमि न्यूज ►► छिंदवाड़ा

शहर के हृदय स्थल छोटी बाजार स्थित श्री सत्यधर्म मंडल द्वारा संचालित श्री राम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 अगस्त, मंगलवार को भगवान भोलेनाथ की भव्य पालकी शोभायात्रा का गरिमामय आयोजन किया जा रहा है।

इस भव्य शोभायात्रा में बाजे, ढोल-ताशे और डीजे की सुमधुर ध्वनि के साथ भगवान महाकालेश्वर, त्र्यंबकेश्वर एवं पशुपतिनाथ जी की अलौकिक एवं दिव्य झांकियां भक्तों के दर्शनार्थ शामिल रहेंगी।

सत्यधर्म मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मुकुल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत कई वर्षों से अनवरत चली आ रही इस परंपरा का निरवर्त मंडल द्वारा लगातार किया जा रहा है। इस वर्ष शोभायात्रा में भगवान की भव्य पालकी के साथ-साथ श्री गण्ठु

उस्ताद बड़ी माता व्या्यामशाला के कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित नवशिक्षित बालक-बालिकाओं का साहसिक शस्त्र प्रदर्शन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा।

ट्रस्ट के सचिव सतीश दुबे (लाल जी) ने बताया कि यह शोभायात्रा 25 अगस्त, मंगलवार को दोपहर 2 बजे श्री राम मंदिर, छोटी बाजार से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए छोटा तालाब पहुंचेगी, जहां इसका विधि-विधान से समापन होगा। समापन स्थल छोटा तालाब पर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद एवं रुद्राक्ष वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है।

श्री सत्यधर्म मंडल श्री राम मंदिर ट्रस्ट ने समस्त नगरवासियों, माताओं-बहनों और धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में इस भव्य एवं दिव्य पालकी यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान शिव का आशीर्वाद और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

रविवार को समापन अवसर पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

तामिया सावन महोत्सव: हजारों पर्यटकों ने लिया झूलों का आनंद

हरिभूमि न्यूज ►► छिंदवाड़ा

तामिया सावन महोत्सव के दूसरे दिन सुहावने मौसम में छिंदवाड़ा जिले सहित मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से आए हजारों पर्यटकों ने आयोजन में साहभागिता की। सावन के झूलों ने पर्यटकों को सबसे अधिक प्रभावित किया। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड व जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से आयोजित सावन महोत्सव में शनिवार को पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उर्फ ने सहभागिता की और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि होम स्टे छिंदवाड़ा की पहचान बन रहे हैं। उन्होंने लुभाीण-आदिवासी परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने और उनके द्वारा लगाए गए



स्टॉल की खूब प्रशंसा की।

लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष श्री सतेंद्र भूषण सिंह ने भी होम स्टे संचालकों का उत्साहवर्धन किया। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डायरेक्टर श्री डी.पी. सिंह ने अतिथियों को सावन महोत्सव सहित टूरिस्ट बोर्ड

द्वारा छिंदवाड़ा में पर्यटन विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। होम स्टे परियोजना प्रभारी श्री आर.डी. सिद्दीकी ने होम स्टे विजिट कर चुके देशी-विदेशी सैलानियों और ग्रामीण आय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में

नृत्य दल के साथ झूम उठीं पूर्व राज्यपाल

तामिया सावन महोत्सव में शामिल होने आईं पूर्व राज्यपाल सुश्री उइके ने युवा पीढ़ी को आदिवासी संस्कृति से जुड़ने का आह्वान किया और स्वयं मंच पर पहुंचीं तथा नृत्य दल के साथ जबरदस्त तरीके से झूमते हुए नृत्य किया। पूर्व राज्यपाल सुश्री उइके ने नृत्य के लिए विशेष तौर पर परंपरागत आदिवासी जेवर पहने और इसकी विशेषता गिनाईं।

फोटोग्राफी स्पर्धा के विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

तामिया सावन महोत्सव में हुई फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को रविवार शाम समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इसी दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। रविवार को सावन के झूले सुबह 8 बजे ही पर्यटकों के लिए उपलब्ध रहेंगे। साथ ही सेल्फी पॉइंट भी सुबह से खुला रहेगा।

चिमटीपुर से आए नृत्य दल ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। कार्यक्रम में जुनारदेव एसडीएम सुश्री राजनंदिनी ठाकुर, गणमान्य नागरिक श्री वीरेंद्र राय, डीएटीसीसी

के नोडल अधिकारी श्री बलराम राजपूत, पर्यटक प्रबंधक श्री गिरीश लालवानी, तामिया तहसीलदार श्री संजय मशराम सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने विधायक ने ली ब्लॉक काँग्रेस की बैठक

कमलनाथ एवं नकुलनाथ के निर्देश पर संगठन को मजबूत बनाने पदाधिकारी हुए सक्रिय

हरिभूमि न्यूज▶▶तामिया

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तामिया की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक शनिवार को दोपहर 12 बजे आयोजित की गई। बैठक में जुन्नारदेव विधायक मा. श्री सुनील उईके जी, ब्लॉक कांग्रेस पर्यवेक्षक श्री घनश्याम तिवारी जी एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेंद्र ठाकुर जी ने कांग्रेसजनों को संबोधित किया।बैठक में संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत एवं प्रभावी बनाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस, मंडलम कांग्रेस, पंचायत कांग्रेस, बुथ कमेटियों एवं BLA-2 की नियुक्ति तथा उनके दायित्वों के विभाजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सुनील उईके ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक ताकत उसके जमीनी



कार्यकर्ताओं में है। इसलिए प्रत्येक बुथ को सक्रिय करते हुए कांग्रेस के विचारों, नीतियों और जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को

संगठन से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

बैठक में क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। महंगाई,

बेरोजगारी, खाद-बीज की समस्या, शिक्षा, स्कूलों की व्यवस्थाएँ, स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने और आमजन की समस्याओं को मजबूती से उठाते हुए आगामी आंदोलन की रणनीति तैयार करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में राम मंदिर निर्माण के नाम पर एकत्र किए गए चंदे से जुड़ी कथित अनियमितताओं/चंदा चोरी के आरोपों को लेकर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तथ्यात्मक जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा इस मुद्दे को घर-घर तक ले जाने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।विधायक, सुनील उईके ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। वहीं पर्यवेक्षक घनश्याम तिवारी ने संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक स्तर की कांग्रेस कमेटी को सक्रिय और जवाबदेह बनाने पर जोर दिया। ब्लॉक

कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर ने आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनहित के आंदोलनों को लेकर कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

बैठक में विधायक सुनील उईके के साथ पर्यवेक्षक घनश्याम तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर, भागचंद साहू, मनमोहन साहू, बल्लू सोनी, अशोक मालवीय, शब्बीर हसन जाफरी, अनिल साहू, शंकर पाल, पुनाराम मंडराह, राधश्याम साहू, सुधीर आहिर, लौकेश धुर्वे, अनिल गाँधी, बंटी साहू, जगदीश यदुवंशी, अखिलेश इरपाची, योगेश सूर्यवंशी, हरीश उईके, श्रीराम धुर्वे, तिलकवती वंदेवार, शारदा टोपालिया, लक्ष्मी बाई, मालती बंदेवार, गुंजा, सोनू यादव, सुनील बट्टी, राजबल शाह धुर्वे,सहित कांग्रेस के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, मंडलम अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, अनुसंगीक संगठनों के पदाधिकारी, BLA सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दुकानदार खुद भर रहे रोड के गड्ढे , मजा लूट रहे टोल वाले

हरिभूमि न्यूज▶▶प्रासिया

नगर के मुख्य मार्ग के गड्ढों से परेशान होकर अब दुकानदारों को खुद ही आगे आना पड़ रहा है । रोजाना टूटी - फूटी सड़कों और गड्ढों की वजह से एक ओर जहां दुकान आने वाले ग्राहकों को परेशानी हो रही है , वहीं दूसरी ओर दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं ।

प्रशासन से शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। नतीजा ये कि , दुकानदार और स्थानीय लोग खुद फावड़ा - कुदाल लेकर गड्ढे



भर रहे हैं । मिट्टी और गिट्टी डालकर अस्थायी मरम्मत कर रहे हैं ताकि गाड़ियां और ग्राहक आ - जा सकें। वहीं दूसरी तरफ टोल प्लाजा पर हर गाड़ी से टोल वसूली बराबर जारी है । टोल कर्मचारी आराम से

बैठकर पैसा गिन रहे हैं, लेकिन सड़क सुधार के नाम पर ज़ीरो है। बत्ता दें की छिंदवाड़ा - पिपरिया मार्ग जो स्टेट हाईवे 19 कहलाता है , इस मार्ग पर गाँगीवाड़ा और कुआँबादला पर टोल स्थापित है , जहां वाहनों से नियमित टोल वसूला जा रहा है , लेकिन सड़क और राहगीरों को जो सुविधाएं दी जानी चाहिए वह नहीं दी जा रही है । इसी मार्ग पर न्यूटन हैं ।

जहां मुख्य मार्ग के दोनों ओर सड़क टूट गई है । गड्ढे निर्मित हो गए हैं । जिनमें सुधार के लिए कई बार

एम पी आर डी सी के अधिकारियों लिखा गया , लेकिन कुछ नहीं हुआ ।

181 पर भी शिकायत :- न्यूटन में मार्ग की मरम्मत के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष अनुपमा राय ने कई बार विभाग और टोल प्रबंधन को पत्र लिखा , कुछ लोगों ने सी एम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत भी की , लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ , यहां तक कि विधायक सोहन वाल्मीकि ने टोल प्रबंधन की लापरवाही को लेकर विधानसभा में सवाल भी उठाया फिर भी कोई

राधे राधे महिला गुप ने मनाया हरियाली महोत्सव

जुन्नारदेव। नगर के वार्ड क्रमांक 06 की महिलाओं का अग्रणी समूह राधे-राधे गुप वार्ड नंबर 06 द्वारा शनिवार 22 अगस्त को नगर के वार्ड क्रमांक 2 में स्थित अशिका लॉन में श्रावण मास के पावन अवसर पर हरियाली उत्सव का आनंद लिया गया। इस अवसर पर समूह की महिलाओं द्वारा सावन के झूलू के साथ महिलाओं के लिए आकर्षक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। महिलाओं द्वारा एक दूसरे को श्रुंगार की विशाली भेंट की गई, साथ ही एक साथ सावन के झूलू झूलकर हरियाली महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 6 की सुनीता कंदेले, किरण कंदेले, सीमा गौतम, शीतल जायसवाल, राखी जायसवाल, शालू जैन, दीपांजलि सोनी, मंजू चौरसिया, नंदिनी राजजुट सहित राधे-राधे गुप की अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

देवरबेली निवासी 35 वर्षीय राकेश को खेत जाते समय नाग ने डंसा खेत की मेड़ पर नाग ने काटा, सर्पदंश से पीड़ित राकेश को वैद्यकीय उपचार से मिला स्वास्थ्य लाभ

हरिभूमि न्यूज लांजी।

बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में लांजी मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर ग्राम देवरबेली निवासी 35 वर्षीय राकेश पिता साक्नु यादव को शनिवार सुबह खेत जाते समय नाग सांप ने पैर में काट लिया। सर्पदंश के बाद राकेश की हालत बिगड़ने लगी और परिजन तत्काल उसे लेकर लांजी पहुंचे, जहां वार्ड निवासी आत्माराम चन्ने द्वारा वैद्यकीय पद्धति से उपचार किए जाने की बात सामने आई।मिली जानकारी के अनुसार राकेश 22 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे खेत में काम करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान खेत की मेड़ पर मौजूद नाग सांप ने उसके पैर में काट लिया। सर्पदंश के बाद राकेश की हालत खराब होने लगी। परिजनों के अनुसार सांप के जहर का असर उसके शरीर में फैलने लगा था। स्थिति को देखते हुए परिवार के लोग उसे अपनी निजी गाड़ी से तत्काल लांजी लेकर पहुंचे।

परिजन राकेश को सुबह करीब 8 बजे लांजी के वार्ड क्षेत्र में रहने वाले आत्माराम चन्ने के पास लेकर पहुंचे। यहां आत्माराम चन्ने द्वारा मरीज को देखने के बाद तत्काल वैद्यकीय पद्धति से उपचार शुरू किए जाने की



जानकारी दी गई।बताया गया कि उपचार शुरू होने के बाद राकेश की स्थिति में सुधार दिखाई देने लगा। परिजनों के अनुसार करीब एक घंटे के भीतर सर्पदंश के प्रभाव में कमी आई और राकेश की हालत सामान्य होने लगी।

आत्माराम चन्ने के अनुसार राकेश को जिस सांप ने काटा था, वह काफी जहरीला बताया गया। उनके अनुसार मरीज के शरीर पर सर्पविष का अमर दिखाई देने लगा था और यदि उपचार में अधिक देरी होती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।हालांकि, सर्पदंश की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सकीय उपचार और अस्पताल पहुंचना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। किसी भी व्यक्ति को सांप काटने पर समय गंवाएं बिना नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना जरूरी है।

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सेलवटपार में सीएम हेल्पलाइन शिकायत की जांच के दौरान शासकीय दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के

जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय कर्मचारियों ने थाना प्रभारी रामपायली को शिकायती आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने सहित अन्य आरोपों में सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।शिकायत के अनुसार, 18 अगस्त 2026 को दोपहर लगभग 3 बजे जनपद पंचायत खैरलांजी के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी खाण्डेकर एवं एसबीएम बीसी तथा उपयंत्री श्रीमती नाजनीन खान सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के निराकरण हेतु ग्राम पंचायत सेलवटपार पहुंचे थे। जांच प्रक्रिया के दौरान गांव के निवासी मंशाराम दांंदरे एवं मोतीराम ठाकरे ने शिकायत से संबंधित



फाइलों की मांग की।एपीओ के कहने पर पंचायत सचिव ने फाइलें अवलोकन हेतु उन्हें सौंप दीं।आरोप है कि फाइलों को पढ़ते समय मंशाराम दांदरे ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि सरपंच एवं उपसरपंच गौड़िन द्वारा पूरे सेलवटपार की पंचायत को लूट लिया गया है।इसके बाद हाथ में रखी फाइलों को फर्जी बताते हुए उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया। इस दौरान सचिव, रोजगार सहायक एवं सरपंच प्रतिनिधि राही पाण्डे ने दौड़कर शासकीय दस्तावेजों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक फाइलें फट चुकी थीं।घटना के दौरान आरोपियों द्वारा जांचकर्ता अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को कथित रूप से गंदी-गंदी गालियां दी गईं तथा धमकी देते हुए

आदिवासी वर्ग से हैं, को परेशान कर रहे हैं। शासकीय कार्यों में बार-बार बाधा उत्पन्न होने के कारण पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम विकास के कार्य करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।शिकायतकर्ता श्रीमती दिपिका राही पाण्डे, सरपंच, श्रीमती कमला भलवाले, उपसरपंच, महेश हेडाऊ, सचिव एवं विजेन्द्र सिंह घरसोले, सहायक सचिव ने अनावेदक मंशाराम मोतीराम पिता सुरेश ठाकरे, निवासी सेलवटपार एवं के विरुद्ध शासकीय कार्य में व्यवधान डालने, दस्तावेज नष्ट करने एवं धमकी देने के लिए तत्काल उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

सेलवटपार पंचायत सचिव ने दो ग्रामीणों के खिलाफ थाने में दी शिकायत, शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप

सीएम हेल्पलाइन की जांच के दौरान हंगामा, शासकीय फाइलें फाड़ने और धमकी देने का आरोप

कहा गया कि “अभी तो शुरूआत है, आगे शिकायतों की झड़ी लगा दूंगा।”शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि अनावेदक गिरात कई दिनों से फर्जी शिकायतें कर महिला सरपंच एवं उपसरपंच, जो कि

सिरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सभापति ने किया निरीक्षण



कटंगी। विकासखंड कटंगी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरपुर का महिला एवं बाल विभागा स्वास्थ्य विभाग सभापति जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी और स्वास्थ्य विभाग के सचिन अग्रवाल भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि हाल ही में जिला स्तर पर हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान सिरपुर अस्पताल की कई समस्याएं सभापति केसर बिसेन के संज्ञान में आई थीं। इसी को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने खुद अस्पताल पहुंचकर जमीनी हकीकत देखी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक डॉ. लक्ष्मी चौधरी और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सभापति को अस्पताल की स्थिति से अवगत कराया। बारिश में पूरे अस्पताल की छत से पानी टपकता है, जिससे मरीजों और दवाइयों को भी नुकसान हो रहा है। अस्पताल की पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे पानी की सप्लाई बाधित है। अस्पताल के अंदर की टाइल्स जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। कई कमरों के पंखे बंद पड़े हैं, वायरिंग भी जर्जर हालत में है। स्टॉफ के बैठने के लिए कुर्सी-टेबल तक नहीं है। स्टेशनरी और अलमारी पूरी तरह खराब हो चुकी है। वाहनों को खड़ा करने वाला टीन शेट टूट-फूट गया है। अस्पताल का मुख्य चैनल गेट जाम हो चुका है, खुलता-बंद नहीं होता। पूरी बाउंड्रीवाल और बिल्डिंग का पेंट उखड़ चुका है। निरीक्षण के बाद सभापति केसर बिसेन ने कहा कि सिरपुर स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं का बेहतर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की जो भी समस्याएं सामने आई हैं, उनका निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा।

लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की प्रतिमा स्थापना का हुआ भूमिपूजन



सौसर। साहित्य सम्राट लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की जयंती के अवसर पर स्थानीय साठे मंगल भवन, सौसर में एक भव्य भूमिपूजन एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। साहित्य सम्राट अण्णाभाऊ साठे समिति और साठे साठे महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पौर्ण्णा और सौसर से पधार अनेक गणमान्य नागरिकों व समाज बंधुओं ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह को संबोधित करते हुए छिंदवाड़ा सांघद बंटी साहू ने कहा कि साहित्य सम्राट श्री अण्णाभाऊ साठे ने विपरीत परिस्थितियों में कभी हिम्मत नहीं हारी और उनका भारी शोषण भी उनकी लेखनी व विचारों को रोक नहीं पाया। उन्होंने समाज को संदेश दिया कि मेहनत से ही मजिल मिलती है। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड़, सौसर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुरेशा डागा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संजय राठी, नीलिमा पाटिल, भाजपा नेता राहुल मोहड़, डॉ. प्रमोद तेलंगे, विनोद अम्बुलकर, और जिला भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विवेक गायकवाड की प्रमुख उपस्थिति में श्री अण्णाभाऊ साठे की प्रतिमा स्थापना के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष दुर्गेश सनेसर, उपाध्यक्ष धनराज वाघमारे, सचिव प्रवीण सनेसर, चंदू सनेसर, दीपक तेलंगे, विलास तेलंगे, सागर सनेसर तथा मुक्ता साल्वे महिला मंडल की सविता तेलंगे, सुशब्रू सनेश्वर, लक्ष्मी निखाड़े, गरिमा तेलंगे, रजनी सनेश्वर, वंदना तेलंगे, पंचकूरदाई इंगले, ज्योति खरे, मंदा सनेसर, और काजल वाघमारे सहित समस्त सदस्यों ने अमृतपूर्व प्रयास किए।

काशी से जुन्नारदेव तक गूंजा संत रविदास का संदेश, पावन कलश का भव्य वंदन



जुन्नारदेव। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर उनकी जन्मस्थली चारणसी (काशी) स्थित सूर गोवर्धनपुर से आया पवित्र कलश जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था का केंद्र बना। कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प यात्रा का विभिन्न स्थानों पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।कलश वंदन यात्रा का पालाचौरई एवं जमकुंडा में श्रद्धालुओं और ग्रामीणजनों द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इसके पश्चात पवित्र कलश जुन्नारदेव के सुकरी पहुंचा, जहां भाजपा मंडल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, नगर पालिका अध्यक्ष-उपअध्यक्ष, पार्षदगण एवं वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में पुष्पघर्षा एवं जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया।इसके बाद यात्रा श्रीराम तिराहा पहुंची, जहां से नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलश वंदन यात्रा संत रविदास वार्ड क्रमांक-1 स्थित संत रविदास मंदिर पहुंची। यहां विधिवत पूजन-अर्चन एवं वंदन के पश्चात काशी की पावन धरती से लाए गए पवित्र कलश को श्रद्धापूर्वक रखा गया।पूरे यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। “संत रविदास महाराज की उपाय” के जयघोष से नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। काशी की पावन जन्मस्थली से जुड़ी इस यात्रा ने जुन्नारदेव में सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।संत रविदास महाराज के विचारों और उनके समरस समाज के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने वाली यह यात्रा सद्भाव, समानता और सामाजिक एकता के संकरूप को मजबूत करने वाला प्रेरणादायी अवसर बनी।

लांजी नगर में जल निकासी व्यवस्था बढहाल, नालियों का गंदा पानी सड़कों पर

बारिश ने खोली नगर परिषद की व्यवस्थाओं की पोल, कई वार्डों में जलभराव का खतरा; कचरा उठाव को लेकर भी नगरवासियों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज लांजी। बारिश के मौसम में जल निकासी को लेकर लांजी नगर परिषद की तैयारियों की एक बार फिर पोल खुलती नजर आ रही है। नगर के विभिन्न वार्डों में नालियां पानी और गंदगी से भरी पड़ी हैं। कई स्थानों पर नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि नालियों में पानी जाम होने के कारण नगर की गंदगी बाहर निकलने के बजाय जगह-जगह जमा होती जा रही है।नगरवासियों का कहना है कि बारिश शुरू होने से पहले ही नगर परिषद को जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने, नालियों की सफाई कराने और जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर आवश्यक इंजाजन करने की जानकारी दी जाती है, लेकिन बारिश शुरू होने के बाद भी व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आता। परिणामस्वरूप हर वर्ष बारिश के दौरान



नगरवासियों को जलभराव और गंदगी की समस्या से जूझना पड़ता है। सबसे गंभीर स्थिति नगर परिषद कार्यालय के आसपास देखने को मिल रही है। बारिश के बाद कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में पानी जमा होने की शिकायत सामने आ रही है। नालियों का पानी निकासी नहीं होने के कारण सड़क की ओर पहुंच रहा है। नगरवासियों का सवाल है कि जब नगर परिषद कार्यालय के आसपास ही जल निकासी की व्यवस्था प्रभावी नहीं है, तो नगर के

दूरस्थ वार्डों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

लांजी के आमगांव रोड मार्ग पर भी बारिश के दौरान पानी की निकासी को लेकर समस्या बनी हुई है। पर्याप्त निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़क पर जमा हो जाता है। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्थानीय दुकानदारों को परेशानी होती है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से सड़क की स्थिति खराब होने के साथ-साथ गंदगी और मच्छरों की समस्या भी बढ़ने की आशंका रहती है।

भिलाई रोड मार्ग पर भी जल निकासी की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। नगर की नालियों से निकलने वाला पानी चमारबोड़ी तालाब की ओर जाता है। नगरवासियों के अनुसार तालाब पहले से ही पानी से भर चुका है। ऐसे में लगातार बारिश होने पर जलभराव की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। लोगों को डर है कि यदि तालाब का जलस्तर बढ़ा तो आसपास के वार्डों में पानी घुस सकता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद को समय रहते इस दिशा में ठोस योजना बनानी चाहिए, ताकि बारिश के दौरान नालियों और तालाब का पानी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश न करे।

15 वर्षों से वनांचल में सेवा की अलख जगा रहे रामेश्वर कटरे

मंत्री विजय शाह ने कहा—समाज को ऐसे सेवानावी लोगों की जरूरत



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दक्षिण बैहर के वनांचल में जरूरतमंदों की सेवा को अपना संकल्प बना चुके समाजसेवी रामेश्वर कटरे की सेवा भावना की जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

अडोरी ग्राम पंचायत के कोंडेकशा गांव में आयोजित सेवा कार्यक्रम में कटरे द्वारा बुजुर्ग महिलाओं को मच्छरदानियां तथा जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, चप्पल और जूते वितरित किए गए।इस दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा कि रामेश्वर कटरे बीते 15 वर्षों से अपनी मेहनत की कमाई और निजी संसाधनों से बैगा बाहुल्य क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों की सेवा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज को रामेश्वर कटरे जैसे सेवानावी व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, जो बिना किसी स्वार्थ के दूरस्थ वनांचल तक पहुंचकर लोगों के



सुख-दुख में सहभागी बनते हैं।मंत्री ने रामेश्वर की सेवा को समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण बताते हुए

उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रामेश्वर कटरे जिस आत्मीयता और समर्पण के साथ बैगा परिवारों के बीच काम कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है।साथ ही बैगा समुदाय के लिए विशेष परियोजना तैयार करने की बात कहते हुए उनके सेवा कार्यों को और मजबूती देने का भरोसा दिलाया।

मंत्री के इन शब्दों को रामेश्वर कटरे ने अपने सेवा संकल्प के लिए नई ऊर्जा बताते हुए कहा कि जब तक सामर्थ्य है, वनांचल के जरूरतमंद परिवारों तक सेवा पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।कटरे की वर्षों से जारी सेवा यात्रा ने उन्हें वनांचल के ग्रामीणों के बीच एक संवेदनशील, भरोसेमंद और सेवानावी सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में पहचान दिलाई है।

खबर संक्षेप

आज धूमा में निकलेगी मत्स्य कावड यात्रा

हरिभूमि न्यूज । धूमा। सावन के पावन महीने में बटेश्वर महादेव मंदिर, कहानी रोड धूमा के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य कावड यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कावड यात्रा के चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन के तहत दिनांक 23 अगस्त 2026, रविवार को प्रातः लगभग 6 बजे बटेश्वर महादेव मंदिर, कहानी रोड धूमा में विधिवत पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके पश्चात लगभग 100 कावड़िए धूमा नगर के विभिन्न मंदिरों में पूजन-अर्चन करते हुए वाहनों से बगीची-सालीवाड़ा घाट के लिए रवाना होंगे। प्रातः लगभग 8 बजे सालीवाड़ा घाट, बरगी पहुंचकर मां नर्मदा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके बाद कावड़िए मां नर्मदा का पवित्र जल कांवड़ में लेकर बटेश्वर महादेव मंदिर धूमा के लिए पैदल यात्रा प्रारंभ करेंगे। कावड यात्रा में भगवान भोलेनाथ की भव्य झांकी, बर्फानी बाबा अमरनाथ जी की झांकी, डीजे, लाइट, ढोल-नगाड़े, आतिशबाजी एवं डिस्को लाइट विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कावड यात्रा के समापन अवसर पर दिनांक 24/08/2026 दिन सोमवार को बटेश्वर महादेव मंदिर में मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा।

शासकीय महाविद्यालय बरघाट में मनाया गया विश्व उद्यमिता दिवस

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासकीय महाविद्यालय बरघाट में विश्व उद्यमिता दिवस का आयोजन उत्साह एवं प्रेरणादायी वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन योजना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.एल. इनवाती ने कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजन का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने भीतर छिपी प्रतिभा एवं कौशल को पहचानकर नए विचारों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, मेहनत, नवाचार और सही दिशा के साथ युवा अपने लिए बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

25 को निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

सावन माह के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की भक्ति और आस्था से ओत-प्रोत विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन 25 अगस्त, मंगलवार को किया जा रहा है। महंत श्री हरि मुकुंद गिरि महाराज (बाबा जी) के सान्निध्य में आयोजित होने वाली इस यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है। यात्रा को लेकर शिवभक्तों में उत्साह का माहौल है। आयोजकों के अनुसार कांवड़ यात्रा सुबह 8 बजे मुंडारा से प्रारंभ होगी। यात्रा मुंडारा से निकलकर बटामा, टिकारी, बख्नादेवी, जनता नगर एवं कटंगी नाका होते हुए आगे बढ़ेगी। इस दौरान शिवभक्त कांवड़ में पवित्र जल लेकर भगवान शिव का जयघोष करते हुए यात्रा में शामिल होंगे।

किन्नरों से मरी दो बसें पुलिस ने रोकी, पूछताछ के बाद जाने दिया

सिवनी। जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 1.30 बजे नियमित वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने किन्नर समाज के लोगों से मरी दो बसों को रोक लिया।

दोनों बसों में बड़ी संख्या में किन्नर सवार थे। बसों को रोके जाने के बाद मौके पर कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई और किन्नर समाज के लोगों ने आपत्ति जताते हुए सड़क पर बैठकर विरोध किया, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। जानकारी के अनुसार किन्नर समाज के लोग महाराष्ट्र से दो बसों में सवार होकर सिवनी जिले के पलारी क्षेत्र की ओर जा रहे थे। कान्हीवाड़ा में पुलिस द्वारा नियमित वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान दोनों बसों को रोककर यात्रियों से पूछताछ की गई।

बातचीत के बाद स्थिति हुई सामान्य

बसों को अचानक रोके जाने पर मौके पर मौजूद किन्नर समाज के लोगों ने आपत्ति जताई। कुछ



समय के लिए सड़क पर बैठने के कारण यातायात बाधित हुआ। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और किन्नर समाज के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत

हुई, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई और दोनों बसों को आगे जाने की अनुमति दे दी गई।

पुलिस ने बताई नियमित वाहन जांच

कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी संतोष पन्ने के अनुसार पूछताछ में सामने आया कि किन्नर समाज के लोग पलारी के पास स्थित एक परिवार से मिलने जा रहे थे। बताया गया कि पिछले वर्ष उनके समाज के एक सदस्य का निधन हुआ था। इसी सिलसिले में सामाजिक परंपरा के अनुसार समाज के लोग मृतक के परिजनों से मिलने पलारी जा रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों बसों को किसी विशेष कार्रवाई के तहत नहीं रोका गया था, बल्कि नियमित वाहन जांच के दौरान यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण पूछताछ की गई थी। पुलिस और किन्नर समाज के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत के बाद स्थिति स्पष्ट हुई और दोनों बसों को आगे रवाना कर दिया गया। फिलहाल मामले में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है।

तुगलकी आदेश: आदिवासी कर्मचारी को दो अलग-अलग स्कूलों में इयूटी, पालकों में रोष

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

जिले के शिक्षा विभाग में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे लेकर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी द्वारा एक आदिवासी कर्मचारी को उसकी पदांकित शाला के साथ-साथ करीब 500 मीटर दूर स्थित दूसरी शाला में भी साफ-सफाई एवं अन्य कार्यों के लिए आदेशित किया गया है। कर्मचारी ने इस आदेश को निरस्त करने की मांग करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है।

जानकारी के अनुसार अरविंद सिंह कुंजाम शासकीय माध्यमिक शाला भोंगाखेड़ा में भृत्य के पद पर कार्यरत हैं। विद्यालय में नर्सरी से कक्षा आठवीं तक करीब 114 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यालय में पेयजल व्यवस्था, कक्षों एवं परिसर की साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक कार्यों का जिम्मा श्री कुंजाम द्वारा निष्ठापूर्वक निभाया जा रहा है। बताया गया है कि हाल ही में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत श्री कुंजाम को शासकीय माध्यमिक शाला भोंगाखेड़ा के साथ-साथ शासकीय हाई स्कूल भोंगाखेड़ा में भी साफ-सफाई एवं

अन्य कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कर्मचारी का कहना है कि दोनों विद्यालय एक परिसर में संचालित नहीं होते हैं और हाई स्कूल उनकी पदांकित शाला से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में एक ही समय में दोनों विद्यालयों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। श्री कुंजाम ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन देकर उक्त आदेश को निरस्त करने तथा उन्हें केवल अपनी पदांकित शासकीय माध्यमिक शाला भोंगाखेड़ा में ही कार्य करने देने की मांग की है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए मिल चुका है सम्मान

गौरतलब है कि शासकीय माध्यमिक विद्यालय भोंगाखेड़ा शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न नवाचारों के लिए जिले की प्रतिष्ठित शालाओं में गिना जाता है। श्री कुंजाम द्वारा विद्यालय में साफ-सफाई एवं अन्य दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किए जाने पर 26 जनवरी 2020 को विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे द्वारा विद्यालय में विशेष मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के दौरान उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण-पत्र एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया था।

अब दो अलग-अलग विद्यालयों में इयूटी के आदेश के बाद विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के पालकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। पालकों का कहना है कि विद्यालय की व्यवस्थाओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। पालकों द्वारा मामले को लेकर जनसुनवाई में आवेदन देने के साथ ही जिले के विधायक दिनेश राय मुनमुन के समक्ष भी शिकायत रखने की बात कही गई है।

अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस मामले में कर्मचारी की व्यावहारिक कठिनाइयों और विद्यालय की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए क्या निर्णय लेता है।

302 के मामले में विचाराधीन कैदी की बिगड़ी तबियत, उपचार के दौरान मौत

जिला जेल सिवनी में हत्या के मामले में बंद विचाराधीन कैदी संकेत ठाकुर की शुक्रवार रात अचानक तबियत बिगड़ गई। सीने में दर्द की शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने उसे प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार संकेत ठाकुर हत्या के मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत प्रकरण में विचाराधीन कैदी के रूप में जिला जेल सिवनी में निरुद्ध था। शुक्रवार रात जेल में रहते समय उसने अचानक सीने में दर्द और तबियत खराब होने की शिकायत की। जेल कर्मचारियों द्वारा उसे प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसकी जांच की, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जेल प्रहरी नरेंद्र डहरेवाल ने बताया कि बंदी की अचानक तबियत बिगड़ी थी। वह सीने में दर्द की



शिकायत कर रहा था। जेल में प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कैदी की मौत की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों को भी जानकारी दी गई। शव

है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मौत हृदय संबंधी समस्या, किसी अन्य बीमारी अथवा किसी अन्य चिकित्सकीय कारण से हुई। मामले में पुलिस और जेल प्रशासन द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

कान्हीवाड़ा में पुलिस की लापरवाही उजागर बस स्टैंड पर एक साथ चार दुकानों में चोरी

सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा में पुलिस की उदासीनता के कारण चोरों के हौसले पूरी तरह बुलंद नजर आ रहे हैं। पुलिस थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित बस स्टैंड पर चोरों ने एक साथ चार दुकानों को अपना निशाना बनाया और चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बीती रात चोरों ने बेखोफ होकर चार प्रमुख दुकानों के ताले तोड़े जिसमें जैन होटल साहू कृषि केंद्र, सजनी ब्यूटी पार्लर एवं जनरल स्टोरकान्हा स्वीट्स घटनास्थल थाने से केवल 100 मीटर की दूरी पर है, इसके बावजूद चोर आसानी से चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। यह पूरी घटना दुकानों में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई



है, जिसके फुटेज पुलिस की मदद के लिए उपलब्ध हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इलाके में रात के समय पुलिस गश्त न के बराबर होती है, जिसके चलते लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। इस घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों और दुकानदारों

में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि इलाके में रात्रि गश्त को तुरंत बढ़ाया जाए और क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर जल्द से जल्द लगाम लगाई जाए ताकि व्यापारी सुरक्षित महसूस कर सकें।

मनोज कुमार बात्री को मानवाधिकार एवं आरटीआई सेवा रत्न सम्मान

हरिभूमि न्यूज सिवनी। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन, भारत द्वारा डॉ. मनोज कुमार बात्री को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान, संगठन के प्रति समर्पण तथा मध्यप्रदेश में मानवाधिकार संरक्षण एवं सूचना के अधिकार के प्रचार-प्रसार के लिए मानवाधिकार एवं आरटीआई सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. बात्री संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री एवं अतिरिक्त प्रभार प्रदेश संरक्षक, मध्यप्रदेश के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। संगठन ने उनके द्वारा जन-जागरूकता एवं संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। सम्मान-पत्र में संगठन ने डॉ. बात्री के समर्पण, निःस्वार्थ



सेवा भावना और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में योगदान को प्रेरणादायी एवं प्रशंसनीय बताया। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सांगेश कुमार भाटी ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की मंगलकामना की। सम्मान समारोह 22 अगस्त 2026 को जोधपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया।

संभागायुक्त धनंजय सिंह द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत धनौरा विकासखंड में किया क्षेत्र भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत संभागायुक्त धनंजय सिंह ने आज सिवनी जिले के धनौरा विकासखंड अंतर्गत निर्धारित रोस्टर क्षेत्र का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम साजपानी में निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय एवं सीनियर बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने दोनों निर्माणाधीन भवनों में कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का गहनता से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति तथा निर्माण मैनुअल अनुसार निर्माण सामग्री के सैपलों की विहित प्रक्रिया अनुसार जांच के संबंध में आवश्यक कार्यवाही नहीं किए जाने पर निर्माण एजेंसी बीडीसी के सहાયक महाप्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं सीनियर बालक छात्रावास भवन के निर्माण कार्य में अत्यंत विलंब के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए लोक निर्माण विभाग (भवन) के अधीक्षण यंत्री को संबंधित कार्यपालन यंत्री को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने विभागीय



अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान संभागायुक्त धनंजय सिंह ने कुरनभटा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर पंजीकृत एवं उपस्थित बच्चों की जानकारी ली। बच्चों को प्रदाय किए जा रहे नाश्ता एवं भोजन की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने गंभीर कुपोषित (एसएएम) एवं मध्यम कुपोषित (एमएएम) बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा

परिवहन नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग की कार्रवाई, वाहनों पर जुर्माना एवं जब्ती



यात्री वाहन क्रमांक एमपी 22 पी 0323 बिना बीमा एवं बिना फिटनेस के संचालित पाए जाने पर 12 हजार रुपये का समन शुल्क आरोपित किया गया। धूमा मार्ग पर जांच के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 22 टी 0613 (मैक्सी कैब) एवं एमपी 20 डीए 0869

(मैक्सी कैब) बिना फिटनेस एवं बीमा के संचालित पाए गए। दोनों वाहनों को धूमा थाना परिसर में जप्त किया गया। इसके अतिरिक्त वाहन क्रमांक एमपी 28 जेडएल 2026 एवं एमपी 28 एच 1935 के विरुद्ध नियमों के उल्लंघन पर 3-3 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने परिवहन विभाग को यात्री वाहनों सहित अन्य वाहनों की नियमित जांच करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों एवं संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि वाहनों की जांच एवं नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता जांच को लेकर खाद्य विभाग का विशेष अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में डेयरी उत्पादों के एनालॉग के विनिर्माण, भण्डारण, वितरण, विक्रय, आपूर्ति एवं उपयोग पर प्रभावी निगरानी के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसी क्रम में सिवनी जिले में भी दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी रखते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 20 अगस्त 2026 को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लिए गए। पलारी स्थित केलाश होटल से बर्फी एवं पेड़ा, छुई स्थित ठाकुर ट्रेडर्स से कुंदा एवं कलाकंद तथा अमन स्वीट्स से कलाकंद एवं पेड़ा के नमूने लिए गए। इसी प्रकार

छपारा स्थित शरद किराना से ऐश कुकिंग मीडियम, मां वैशाली स्वीट्स से मिल्क केक तथा श्याम शरण मार्ट से घी का नमूना जांच हेतु लिया गया। इसी क्रम में 21 अगस्त 2026 को गुला स्वीट्स का निरीक्षण कर कुंदा, पेड़ा, नमकीन करी सेब एवं कलाकंद के नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लिए गए सभी नमूनों को नियमानुसार जांच के लिए भेजा जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा पहचन उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सिवनी डॉ. पंकज दुबे ने बताया कि अभियान के अंतर्गत दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनालॉग पनीर, मावा, कुंदा एवं अन्य प्रतिबंधित डेयरी उत्पादों के निर्माण, विक्रय एवं उपयोग पर निगरानी रखी जा रही है।

का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। प्राथमिक तौर पर सीने में दर्द और अचानक स्वास्थ्य खराब होने की बात सामने आई है, हालांकि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। विचाराधीन कैदी की अस्पताल में मौत होने के कारण जेल प्रशासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही

नगर पालिका के निर्माण कार्यों की खुली पोल, पहले भी गिर चुका था नाला; जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सिवनी। शहर में नगर पालिका के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुराने नेशनल लॉन और वर्तमान में हीरो एजेंसी के सामने स्थित रियारंस नाला भरभराकर दह गया। करीब 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित नाले के इस तरह धराशायी होने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार इससे पहले भी इसी नाले के गिरने की शिकायत सामने आई थी। उस समय नगर पालिका की ओर से नाले के निर्माण के लिए लॉन संचालक को जिम्मेदार ठहराया गया था। आरोप लगाया गया था कि नाले के ऊपर दीवार खड़ी करने के कारण नाला क्षतिग्रस्त हुआ। इस मामले में तत्कालीन अनुविभागीय दंडाधिकारी शहर द्वारा लॉन संचालक पर 1,000 से 1,500 रुपये तक का जुर्माना लगाए जाने की बात भी सामने आई थी। अब बिना दीवार के ही दह गया नाला, पुराने तर्क पर खड़े हुए सवाल इस बार तले के ऊपर कोई दीवार नहीं थी, इसके बावजूद नाला फिर से धराशायी हो गया। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि पिछली बार नाले के



ही गुणवत्ता के मानकों को ताक पर रखकर किया गया। लाखों रुपये खर्च होने

गिरने की वजह ऊपर बनाई गई दीवार को बताया गया था, तो अब बिना किसी दीवार के नाला आखिर क्यों दह गया? स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाले का निर्माण शुरू से ही

के बावजूद नाला टिक नहीं पाया, जिससे नगर पालिका के निर्माण कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था कठघरे में आ गई है। लाखों खर्च, फिर भी निर्माण चंद दिनों में धराशायी: नाले के दहने से यह सवाल भी उठ रहा है कि निर्माण के दौरान किस स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया गया और कार्य की तकनीकी जांच किस अधिकारी द्वारा की गई। यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप था, तो इतनी बड़ी लागत से बना नाला इतनी जल्दी कैसे दह गया? स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की तकनीकी जांच, निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की मुमिका की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जांच में लापरवाही या घटिया निर्माण सामने आता है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। अब सवाल सिर्फ नाले के दहने का नहीं, बल्कि नगर पालिका के निर्माण कार्यों में खर्च होने वाली जनता की लाखों रुपये की राशि की गुणवत्ता और निगरानी का है।

जिला कलेक्टर से सड़क बनवाने लगाई गुहार



सड़क निर्माण में आपत्ति लगाने हे सड़क नहीं बनने देते जबकि उक्त सड़क से दीप ज्योति स्कूल के लगभग एक हजार बच्चों और श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर दर्शनार्थी और कालेजी निवासी का आना जाना हे सड़क बहुत खराब हे कीचड़ पानी से भरी हे जिससे वर्तमान में मौसमी बीमारी फैल सकती हे वहीं पलक और वाई निवासी निवेदन करते हे जिला कलेक्टर महोदय से की उक्त सड़क को छोड़ी करते हुए दोनों ओर नली बनाने हुए सीसी सड़क बन बने की कृपा करे का निवेदन।

महामारी में 24 बच्चों की मौत पर कहा दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

डिप्टी सीएम ने किया बिरसा क्षेत्र का दौरा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में महामारी फैलने से 24 बच्चों की मौत हो गई है। इन मौतों का मुख्य कारण टीकाकरण में कमी, मलेरिया और कुपोषण बताया जा रहा है।

शनिवार को प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश उपलप और मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया। वहीं देर शाम इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी संज्ञान लिया है।

डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने महामारी से प्रभावित ग्राम मखुरदा का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की। चर्चा के दौरान एक ग्रामीण महिला ने बताया कि गांव में अस्पताल तो है, लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। इस पर मंत्री ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) से जानकारी ली और अस्पताल में एनएम



(Auxiliary Nurse Midwife) तैनात करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि यह क्षेत्र दशकों बाद नकसल मुक्त हुआ है। सरकार यहां के आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार में भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने आगे बताया कि निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रभावित गांवों में टीकाकरण, मलेरिया से बचाव के लिए दवा

छिड़काव और कुपोषण दूर करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

बीमारी से प्रभावित गांवों में चिड़काव और कुपोषण दूर करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

बीमारी से प्रभावित गांवों में चिड़काव और कुपोषण दूर करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

बीमारी से प्रभावित गांवों में चिड़काव और कुपोषण दूर करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

ग्राम पंचायत गढ़ी की सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी एवं रोगी कल्याण समिति की अध्यक्ष तथा पंच श्रीमती उर्मिला रंधेवे, श्रीमती रोशनी परमार, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चन्द्रकांता भौतेकर तथा नवांकुर संस्था प्राणित ग्राम जन विकास समिति गढ़ी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पंच श्री अमित पाटिल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भुरिया मैडम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध आवश्यक दवाइयों के स्टॉक, दवाइयों की नियमित आपूर्ति तथा चिकित्सकीय एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान भवन की मरम्मत, आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था, दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता एवं नियमित आपूर्ति, स्टाफ की कमी को दूर करने तथा



बेहतर रसोई व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत आवश्यकताओं को चिन्हित किया गया। इन सभी विषयों पर आगामी दिनों में प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य करवाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। यहां आने वाले मरीजों को बेहतर वातावरण, आवश्यक दवाइयों एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ़ करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। निरीक्षण एवं चर्चा के दौरान सुपरवाइजर श्री विनोद बंधईया एवं स्टाफ नर्स

श्रीमती शबोना कुरैशो का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके द्वारा स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं, उपलब्ध संसाधनों एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए निरीक्षण दल का सहयोग किया गया।ग्राम पंचायत एवं रोगी कल्याण समिति द्वारा स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर एवं सुगम प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बीमारी से प्रभावित ग्रामों में घर-घर स्वास्थ्य सर्वे तेज, 3500 से अधिक लोगों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बिरसा विकासखंड के ग्राम कोरका, कुडेकसा और बोंदारी में बीमारी फैलने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। एहतियात के तौर पर बैहर एवं बिरसा विकासखंड के 40 ग्रामों को चिन्हित कर स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर-घर पहुंचकर व्यापक स्वास्थ्य सर्वे अभियान शुरू किया गया है। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीमें चिन्हित गांवों के प्रत्येक घर में पहुंचकर परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की जानकारी ले रही हैं और बीमार बच्चों एवं अन्य व्यक्तियों की पहचान कर रही हैं। सर्वे के दौरान किसी व्यक्ति या बच्चे के बीमार पाए जाने पर तत्काल उसकी स्वास्थ्य

जांच की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर बेहतर उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया जा रहा है। अब तक इस अभियान के तहत 3500 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य सर्वे किया जा चुका है।स्वास्थ्य सर्वे के साथ ही चिन्हित सभी ग्रामों में बीमारी की रोकथाम और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मलेरिया नियंत्रण के लिए दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है, वहीं फॉगिंग मशीनों के माध्यम से धुआं भी कराया जा रहा है। इसके अलावा गांवों में हैंडपंपों एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई कर उनका क्लोरीनेशन किया जा रहा है, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।

तीन साल बाद भी पुल का इंतजार, बारिश में कैद हो जाते स्कूली बच्चे और ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

जनपद पंचायत किरनापुर की ग्राम पंचायत सुसवा से सहेकीटोला व हुड्डटोला के बीच बहने वाले नाले पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। बारिश के दिनों में नाला उफान पर आने के कारण स्कूली बच्चों सहित ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हालात इतने गंभीर हैं कि हुड्डटोला व सहेकीटोला के कई स्कूली बच्चे करीब तीन महीने तक अपने स्कूल तक नहीं पहुंच पाते।

2023 में भी उठी थी आवाज, दिया गया था पुल निर्माण का आश्वासन: ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। वर्ष 2023 के अगस्त महीने में ग्राम पंचायत सरपंच प्रकाश बाहे के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने बालाघाट कलेक्टर कार्यालय

पहुंचकर अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा था। समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर सरपंच सहित समस्त पंचगण ने सामूहिक इस्तीफा देने तक की तैयारी जताई थी।

इसके बाद 26 अगस्त 2023 को ग्राम पंचायत सुसवा में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया था! शिविर में प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ग्रामीणों ने पुल की समस्या प्रमुखता से उठाई।

बताया गया कि ग्राम सुसवा और हुड्डटोला व सहेकीटोला के बीच बहने वाले नाले पर पुल निर्माण को लेकर आरईएस एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा स्थल



का निरीक्षण कर स्टीमेट तैयार करने तथा जल्द पुल निर्माण कराने का आश्वासन दिया गया था।

तीन साल बीते, लेकिन आज भी नहीं बना पुल: ग्रामीणों का आरोप है कि आश्वासन के करीब तीन वर्ष बाद भी नाले पर पुल का निर्माण नहीं हो सका है। बारिश आते ही समस्या फिर जस की तस खड़ी हो जाती है। नाला पार करना ग्रामीणों के लिए जोखिम भरा हो जाता है और बच्चों की पढ़ाई भी



कार्यालय में आने वाले लोगों के सभी काम प्राथमिकता के आधार पर करें।विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारा निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाना और यह सुनिश्चित करना होता है।की आम जनता को समय पर उनकी समस्याओं का समाधान मिले।निरीक्षण के दौरान विभाग के अधिकारी कर्मचारी नदारद थे।जिससे काम से पहुंचे ग्रामीणजन उनके इंतजार में थे।मैंने अधिकारियों से फोन पर चर्चा की आम जनता को काम के लिए भटकना ना पड़े।उनका समय पर काम हो,दूर दराज से पहुंचे ग्रामीणों को बार-बार बुलवाकर परेशान ना करे।समय पर काम पूरा करे।

वारासिवनी तहसील कार्यालय का विधायक विवेक पटेल ने किया निरीक्षण

लगभग बारह बजे के बाद भी अधिकारी कर्मचारी नहीं पहुंचे कार्यालय,काम से आए ग्रामीणजन होते रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। तहसील में आमजनों की समस्याओं का समाधान ना होने की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए विधायक विवेक विक्की पटेल ने शुक्रवार को वारासिवनी तहसील कार्यालय औचक निरीक्षण करने पहुंचे।जहां उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं को देखा और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी।और होने वाली परेशानियों के बारे में पृष्ठताछ की।जिसके बाद वे तहसीलदार और नायब तसीलदार के कक्ष में पहुंचे।मगर वे नदारद थे।किसी भी कर्मचारियों को नहीं पता था।कि अधिकारी कहाँ और किस काम से गए हैं।उनके ना रहते काम से आए ग्रामीणजन घंटों उनका इंतजार करते रहे।जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ने पटवारियों से मुलाकात की और उन्हें निर्देशित किया कि तहसील

प्रभावित होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुल नहीं होने के कारण उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ती है, जबकि स्कूली बच्चों का भविष्य सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

प्रशासन की उदासीनता से ग्रामीणों में आक्रोश: तीन साल से लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति

विधायक मधु भगत ने किया स्कूलों का निरीक्षण



छात्र-छात्राओं ने बताई समस्याएं तो कहा अच्छे भवन और सुविधाओं के लिए भोपाल तक करूंगा प्रयास

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट में क्षेत्रीय विधायक मधु भगत निरीक्षण के लिए स्कूल पहुंचे तो यहां पर छात्राओं ने उन्हें घेर लिया और अपनी समस्याएं बताईं। विधायक ने छात्राओं को आश्स्त किया कि वे स्कूल भवन और सुविधाओं के लिए जिले से लेकर भोपाल तक प्रयास करेंगे।

यह घटना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुडरु की है। छात्राओं ने विधायक को बताया कि स्कूल भवन की छतों से पानी रिसता है, पेयजल और शौचालय की समस्या है, और एक ही कमरे में दो कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

छात्राओं ने पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और बैठक व्यवस्था की खराब स्थिति के साथ-साथ भवन

की जर्जर हालत पर भी चिंता व्यक्त की। विधायक मधु भगत ने निरीक्षण के दौरान पाया कि बारिश में लगभग सभी कक्षाओं की छतों और दीवारों से पानी रिसता है। विद्यार्थियों को ऐसे सीलन भरे कमरों में पढ़ाई करनी पड़ रही है।

लाखों रुपए की लागत से बनी नल-जल व्यवस्था भी बंद पड़ी है, जिससे विद्यार्थियों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। रसोईया आशा बाई रंगारे ने भी बताया कि पेयजल की समस्या पिछले दो सालों से बनी हुई है।

छात्र-छात्राओं का कहना है कि शिक्षण संस्थान में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण आवश्यक है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, कक्षा 11वीं और 12वीं के कॉमर्स विषय के छात्रों के लिए अलग-अलग कमरे नहीं हैं। इस कारण एक ही कमरे में दोनों कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

इन गंभीर समस्याओं के बावजूद, लाखों की नल-जल योजना बंद पड़ी है और कक्षाओं में पानी रिसने की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। अब देखा होगा कि विद्यालय की इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग क्या कदम उठाते हैं। विधायक ने स्कूल में व्याप्त समस्याओं के लिए सीधे तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी और भोपाल शिक्षा मंत्रालय को इसका जिम्मेदार बताते हुए कहा कि वह स्कूल में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

बीमारी से प्रभावित ग्रामों में मीजल्स-रुबेला टीकाकरण अभियान तेज

बालाघाट। बीमारी से प्रभावित ग्रामों में बच्चों को मीजल्स-रुबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। प्रभावित ग्रामों में मीजल्स-रुबेला (MR) का टीकाकरण 20 अगस्त से प्रारंभ किया गया है। अभियान के पहले दिन 20 अगस्त को एक टीकाकरण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 35 बच्चों को मीजल्स-रुबेला का टीका लगाया गया। वहीं अभियान के दूसरे दिन 21 अगस्त को 27 टीकाकरण सत्र आयोजित कर 1,116 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इस प्रकार 20 एवं 21 अगस्त को आयोजित टीकाकरण सत्रों में कुल 1,151 बच्चों को मीजल्स-रुबेला का टीका लगाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमारी से प्रभावित ग्रामों में बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी के साथ ही उन्हें आवश्यक टीके लगाए जा रहे हैं, ताकि संक्रामक बीमारियों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पार्षद के घर के बगल में नाली में घुसकर पानी भरने को मजबूर लोग

कटंगी के वार्ड 2 अर्जुननाला में पेयजल संकट

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी नगर के वार्ड क्रमांक 02 अर्जुननाला में लोग आज भी पीने का पानी नाली में घुसकर निकालने को मजबूर हैं, और वो भी वार्ड पार्षद सुनीता टेम्बरें के घर के ठीक बगल में। गर्मी हो या ठंड, यहां नलों में पानी का टोटा लगा रहता है, और बारिश में जो पानी आता भी है उसकी धार इतनी कम है कि बर्तन लगाने के लिए नाली में उतरना पड़ता है। वार्डवासियों ने बताया कि अर्जुननाला के ऊपरी हिस्से में नगर परिषद द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन नाली के भीतर से निकाली गई है। उस पाइप में जो नल जोड़े गए हैं, वे जमीन से नीचे, नाली के अंदर हैं। पानी की धार इतनी कम है कि अगर नलों में पाइप लगा दिया जाए तो ऊपर सड़क पर रखे बर्तन में पानी नहीं पहुंच पाएगा इसलिए महिलाओं को मजबूरन नाली में बर्तन लगाना पड़ता है। वार्ड की महिला अनिता वासनिक ने बताया कि कभी-कभार ही नल आता है। आता भी है तो कुछ मिनटों के लिए। उसमें भी नाली में बर्तन रखना पड़ता है। पार्षद बगल में ही रहती है, कई बार उन्हें भी बोला गया मगर कहीं कोई सुनवाई हो रही है। एक और युवक कार्तिक ने बताया, गर्मी और ठंडी में तो पानी पूरी तरह बंद हो जाता है। नगर परिषद के टैंकर भी समय पर नहीं आते। अभी बरसात में थोड़ा पानी आ रहा है, लेकिन उसकी धार इतनी कम है कि एक बाल्टी भरने में 03 से 04 मिनट लग जाता है। नालियों में नल लगे हुए हैं। पार्षद और नगर परिषद से गुहार, पर कोई सुनवाई नहीं।

गौरतलब हो कि नगर निकाय चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करके वोट मांगें जाते हैं लेकिन चुनाव जीतने के बाद कोई गंदे वादों में झांकते तक नहीं। अर्जुननाला का हाल देखने पर तो यहीं लगता है यहां वार्ड पार्षद के घर के बगल में ही यह समस्या है, इसके बावजूद अनदेखी की जा रही है। अर्जुननाला में जल संकट कोई नई समस्या नहीं है। यह समस्या पिछले कई सालों से बनी हुई है। नगर परिषद के



अधिकारी हमेशा एक ही जवाब देते हैं अर्जुननाला ऊंचाई पर है, इसलिए वहां पानी का प्रेशर नहीं पहुंच पाता। यहां सबसे बड़ा असल यह है कि कटंगी नगर में करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना पर काम चल रहा है। इस योजना के तहत नगर में नई पाइप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन आज तक यह तय नहीं हो पाया है कि इस पाइप लाइन में पानी आएगा कहां से? पुरानी योजना से ही पानी नहीं मिल रहा और नई योजना सिर्फ पाइप बिछाने तक सीमित रह गई है। सूत्रों के अनुसार जल स्रोत के लिए अभी तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं हो पाई है।

इस पूरे मामले को लेकर जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधेश्याम चौधरी से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आया है जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को मौके पर भेजकर नलों को ऊंचा करवाया जाएगा और पानी की सप्लाई बढ़ाई जाएगी। वहीं मौके पर पहुंचे नगर परिषद के एक कर्मचारी ने वार्डवासियों को आश्वासन दिया है कि 2-3 दिन में नल की ऊंचाई बढ़ाकर उसे नाली से बाहर निकाला जाएगा और पानी के प्रेशर को ठीक करने के लिए वाय्व चेक किए जाएंगे। फिलहाल अर्जुननाला के लोग हर सुबह नाली में उतरकर पानी भरने को मजबूर हैं। पार्षद के घर के बगल में ही यह तस्वीर कटंगी नगर परिषद के विकास के दावों की पोल खोलने के लिए काफी है।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट
ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE
POLYTECHNIC | D. PHARMACY | B.Sc. (Hons.) Ag.
B.TECH | M.TECH | B. PHARMACY | B.Tech (Agri) Engg.
M.Sc. (Agri) | M.B.A. | M.Com. | B.A. | B.L.B. | LL.B. | LL.M.
ADMISSION OPEN 2026-27
LAW | B.A. | LL.B. | LL.B. | LL.M.
Part Time / Full Time
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | 9174192111, 9174202111